हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 6 जुलाई 2024

11 551 विद्यार्थियों ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का लिया...

12 लोगों ने पेयजल-बरसाती पानी की निकासी ...

खबर संक्षेप

संजय ने संभाला तोशाम में एपीआरओ का पदभार

तोशाम। तोशाम में दो साल से खाली पड़े एपीआरओ पद पर संजय कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। एआईपीआरओ धर्मवीर सिंह के हिसार तबादला होने के बाद ये पद दो साल से रिक्त था। तोशाम में एआईपीआरओ की नियुक्ति होने से सरकार की योजनाओं का सही ढंग से प्रचार प्रसार होगा। वहीं आमजन को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व स्कीमों की जानकारी मिल सकेगी।

हनुमानजी की मूर्ति स्थापना समारोह 12 को

भिवानी। लिबर्टी सिनेमा रोड स्थित कुंगड़ियों के मंदिर में भगवान श्रीराम भक्त हनुमानजी की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 12 जुलाई को धूमधाम से किया जायेगा। समारोह के आयोजक आचार्य रमेश मिश्र ने बताया कि 8 जुलाई को हनुमानजी को अन्न में शयन करवाया जायेगा। 9 जुलाई को फलों,10 को मिष्ठान,11 को दूध में शयन करवाया जायेगा। 12 को हनुमान जी का सवा मन दूध व गंगा आदि विभिन्न नदियों और समुद्रों के जल, विभिन्न रत्नों से स्नान करवाया जाएगा।

गृहमंत्री शाह आज करेंगे संबोधित

चरखी दादरी। देश के गृहमंत्री अमित शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर छह जुलाई को सुबह 11 बजे गांधी नगर गुजरात में सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में नैनो यूरिया की खरीद पर 50 फीसदी सहायता की योजना सहित किसानों के लिए विभिन्न लाभकारी योजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

बिजली पेंशनर्ज की हुई मासिक बैठक

भिवानी। हरियाणा बिजली पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक नेहरू पार्क में जिला प्रधान बालमुकुंद बापोड़ा की अध्यक्षता में हुई। एसोसिएशन के जिला महासचिव राधाकृष्ण चावला ने बताया कि बैठक में अनेक पेंशनर्ज ने भाग लिया। जिला प्रधान बालमुकुंद ने कहा कि बार-बार एजेंडे देने के बावजूद भी पेंशनर्ज के रूके हुए कार्यों को नहीं करने पर उनमें भारी रोष है।

पहले गर्मी तो अब बारिश की वजह से सब्जियों के स्टॉक पहुंचने में बढ़ी परेशानी

आलू,टमाटर-प्याज रसोई से दूर बिना तड़के के बनेंगी सब्जियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पहले गर्मी ने सब्जी उत्पादकों को रूलाया। बड़ी मुश्किल से अपने खेतों में गर्मी से बचाए रखा। हालांकि किसान अपनी सब्जी की फसलों को ज्यादा गर्मी से बचाने में तो कामयाब हो गए,लेकिन अब बारिश ने सब्जियों के रास्तों को रोक लिया। दूसरे प्रदेशों से आने वाली सब्जियों की खेप आधी हो गई। जिसकी वजह से टमाटर व प्याज तो लगभग रसोई से गायब ही होने को है। क्योंकि इन दोनों सब्जियों की कीमत आसमान पर है। 30 रुपये प्रतिकिलोग्राम के हिसाब से बिकने वाला टमाटर अब 70 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है। ऐसे में मध्यम वर्ग की रसोई से ये दोनों सब्जियां गायब होने लगी है या यूं कहिए कि अब लोगों को बिना तड़के की दाल व सब्जियां खानी पड़ेगी।

अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान पर है। जिसके चलते रसोई में महिलाओं का बजट बिगड़ना शुरू हो गया है। पिछले महीने सब्जी उत्पादकों को गर्मी ने खूब रूलाया। गर्मी से सब्जी की फसलों को बचाने के लिए किसानों ने दिन रात फसलों की सिंचाई की। उस वक्त फसले तो बच गई,लेकिन उनकी उत्पादन क्षमता न के बराबर हो गई थी। फसलें बची तो किसानों को लगा था कि बारिश शुरू होते ही फसलों में फूल व फल बढ़ेगा और उसकी औसतन पैदावार में बढ़ौतरी होगी,लेकिन कई इलाकों में अभी तक बारिश नहीं आई,लेकिन कई इलाकों में ज्यादा बारिश के चलते फसले खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। खासकर टमाटर हिमाचल प्रदेश तथा प्याज राजस्थान की तरफ से आता है,लेकिन वहां पर तेज बारिश की वजह से फसलें पानी में डूबी है। कई जगहों पर रास्ते न होने से सब्जियों का स्टॉक नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में सब्जियों के दामों में बढ़ोतरी होना लाजिमी है।

टमाटर 70 व घिया 50 रुपये प्रति किलो

गर्मी की वजह से टमाटर व घिया की बेल सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। किसानों को लगा था कि अब बारिश हुई और इन फसलों में फुटाव होगा। पर अपेक्षों के अनुरूप फसलों में फुटाव नहीं बढ़ा। बल्कि बारिश होते ही फसलों में फल लगने कम हो गए। ऐसे में सब्जियों की आवक आधे से भी कम हो गई। जिसकी वजह से 30 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिकने वाला टमाटर अब 70 रुपये के हिसाब से बिक रहा है। वहीं 20 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिकने वाली घिया 50 रुपये तक पहुंच गई। सब्जियों की आवक घटने से आलू 25 रुपये बढ़कर 40 तथा प्याज 20 से बढ़कर 35 रुपये पर पहुंच गई है।

बाइक पर लिफ्ट देने के बहाने लूट का आरोपी किया गिरफ्तार

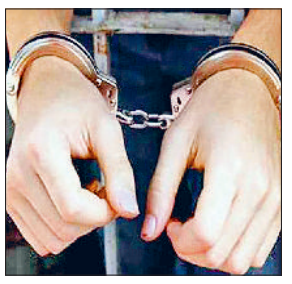

- तोशाम के अक्षय ने छीना था लिफ्ट देकर युवक का मोबाइल
- आरोपी के कब्जे से छीना फोन बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पुलिस की सीआईए स्टाफ टीम ने बाइक पर लिफ्ट देकर लूटने के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे छीना हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हिमांशु निवासी बापोड़ा ने थाना सदर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी,जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि रोहतक में एक प्राइवेट कंपनी में कार्य करता हूं और दो जून की रात को रोहतक से भिवानी आया था भिवानी में अपने गांव बापोड़ा जाने के लिए तोशाम रोड नजदीक वैश्य कॉलेज चौक के पास खड़ा हुआ था जहां पर एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लड़के आए। जिन्होंने बताया कि वह गांव बीरण जा रहे हैं और शिकायतकर्ता को बापोड़ा में उतार देंगे वहीं आरोपी के द्वारा तोशाम रोड पर आश्रम के पास मोटरसाइकिल को रोककर शिकायतकर्ता से मोबाइल फोन व रुपए छीन कर ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में दर्ज किया था।

सीआईए स्टाफ.2 भिवानी के सहायक उप निरीक्षक रमेश कुमार ने अपनी टीम के साथ लिफ्ट देने के बहाने सवारी से मोबाइल फोन व रुपए छीनने के मामले में एक आरोपी को तोशाम चौक भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अक्षय पुत्र रूपाला निवासी बीपीएल बस्ती तोशाम जिला भिवानी के रूप में हुई है। जांच इकाई के द्वारा आरोपी को पेश माननीय न्यायालय में कर पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से वारदात में प्रयोग की गई एक मोटरसाइकिल व शिकायतकर्ता का छिना हुआ मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ने 36वीं बार रक्तदान कर कमाया पुण्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

देश के महापुरूष समाज के गौरव होते है, जिन्होंने समाज को उन्नति व प्रगति का मार्ग दिखाया तथा उनका जीवन आदर्श हमेशा युवा पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा, ऐसे में हम महापुरूषों के जीवन आदर्श से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के लिए उनकी स्मृति में समाजहित से जुड़े कार्य करते रहना चाहिए। ये बात पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 36वीं बार रक्तदान करने उपरांत कही। संभ्रवाल ने कहा कि रक्तदान करना मानवता के हित एवं सेवा में सबसे महादान है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति समाज का वास्तविक व्यक्तित्व होता है। रक्तदान करने से रक्तदाता के दिल की सेहत में सुधार आने के साथ-साथ दिल की बीमारियों एवं स्ट्रोक का खतरा कम होता है। इसके अलावा नियमित रूप से रक्तदान करने से खून में आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे समय-समय पर रक्तदान कर अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

भिवानी। रक्तदान करते पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल। फोटो : हरिभूमि

14 की सर्वजातीय महापंचायत के लिए चलाया जनसंपर्क अभियान

भिवानी। आगामी विधानसभा चुनाव में तोशाम विधानसभा क्षेत्र को लेकर 14 जुलाई को गांव देवराला में सर्वजातीय महापंचायत होगी। सर्वजातीय महापंचायत को सफल बनाने के लिए द्रोणाचार्य एवं अर्जुन अॅवार्डी अशन कुमार सांगवान ने शुक्रवार को गांव बापोड़ा, दिनोद, बजीणा, ईशरवाल, देवराला, संडवा, इंदीवाली आदि गांवों का दौरा किया तथा लोगों से ज्यादा से ज्यादा महापंचायत में भाग लेने का आह्वान किया।

सांगवान ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को चाहिए कि वे सर्वजातीय महापंचायत में विचार विमर्श करके आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाए और जो यहां के मुद्दों से भली-भांति परिचित हो तथा उनके समाधान के लिए मजबूती से कार्य कर सकें, उसके बारे में विचार करें। सर्वजातीय महापंचायत में इन्ही मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी तथा भविष्य की रणनीति भी तैयार की जाएगी। इस अवसर पर अजय डीपीई दिनोद, मास्टर राजपाल ईशरवाल, राजकुमार देवराला, गजे सिंह, रमेश श्योराण, भल्लेराम, मदन सिंह, विजेंद्र राव, हितेन भेरा, सोमबीर मंढाण, करण सिंह, साधुराम, अशोक, ईश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

डाडम में युवक पर गाड़ी सवार चार युवकों ने चलाई गोलियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

मंगलवार देर सायं गांव डाडम में बस अड्डे के नजदीक गांव के ही 27 वर्षीय मनोज के उपर गाड़ी सवार चार युवकों ने गोली चला दी, जिसके बाद मनोज गंभीर रूप से घायल घायल अवस्था मे मनोज अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे भिवानी व भिवानी से रोहतक रेफर कर दिया। पुलिस ने डाडम के तीन युवकों सहित चार के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज बस अड्डे के नजदीक अपने दोस्तों के साथ बैठा हुआ था। उसी समय गाड़ी में सवार होकर 4 युवक आए। उन्होंने आते ही मनोज पर गोली चला दी। जिसके बाद वे मौके से फरार हो गए। मनोज को तीन गोलियां लगी। जिसके बाद मनोज को इलाज के लिए सिविल अस्पताल भिवानी ले जाया गया जहां से उसको रेफर पीजीआई रोहतक कर दिया गया है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन नामजद सहित एक अन्य के खिलाफ दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सूत्रों की मानें तो आपसी रंजिश के चलते मनोज पर चलाई गई। इस बारे में थाना प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है।

समाधान शिविरों में करें अधिक से अधिक जन शिकायतों का तुरंत निपटारा : प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। वीडियो कॉन्फ्रेंस वीडियो के जरिए जिला उपायुक्तों को दिशा निर्देश देते मुख्य सचिव वीवीएस एन प्रसाद। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के मुख्य सचिव वीवीएस एन प्रसाद ने कहा कि समाधान शिविरों में अधिक से अधिक जन शिकायतों का तुरंत निपटारा करें। उन्होंने कहा कि मानसून की बरसात के मद्देनज़र प्रशासन सतर्क रहे और जिला मुख्यालय और उपमंडल मुख्यालय के अधिकारी स्टेशन ना छोड़े। डी प्लान ग्रांट का वितरण अध्यक्ष ग्रीवैन्स द्वारा ही किया जाएगा।

मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस वीडियो के जरिए जिला उपायुक्तो को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जाती सर्टिफिकेट संबंधित प्रमाणिकता पटवारी, कानूनगो और राजस्व विभाग द्वारा की जा रही है। यह कार्य जनहित के मद्देनजर सुचारू रूप से यथाशीघ्र करवाना सुनिश्चित करें। वहीं समाधान शिविरों में आई शिकायतों के लिए प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी आपस में ताल मेल करके शिविरों में आने वाली शिकायतों का निवारण यथाशीघ्र सुनिश्चित करें। इसके अलावा मुख्यालय संबंधित शिकायतों के लिए जिला अधिकारी मुख्यालय अधिकारियों से आपसी तालमेल करके जनसंवाद कार्यक्रमों में आई शिकायतों का निपटारा जल्द से जल्द करवाएं।

कारी मोद निवासी बाढ़ड़ा अनाज मंडी के चौकीदार का 6 दिन बाद सुराग नहीं

बाढ़ड़ा। बाढड़ा अनाज मंडी में बतौर चौकीदार कार्यरत गांव कारीमोद निवासी व्यक्ति का छह दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। परिजनों ने बाढ़ड़ा थाना पुलिस को शिकायत देकर उसकी तलाश करने की गुहार लगाई है । जिसके आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा गांव दगड़ौली से भी एक 32 वर्षीय महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में चरखी दादरी जिले के गांव कारीमोद निवासी सत्यपाल ने बताया कि उसके पिता भगत सिंह जिनकी उम्र करीब 60 साल है। वो बाढ़ड़ा अनाज मंडी में रात के समय बतौर चौकीदार नौकरी करते है। बीते 30 जून को उसके पिता घर से ड्यूटी के लिए बाढ़ड़ा आया था जो वापिस घर नहीं पहुंचा। उसने बताया कि उन्होंने रिश्तेदारी व हर जगह अपने स्तर पर तलाश कर ली, लेकिन अभी तक उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। लापता व्यक्ति के बेटे ने पुलिस को शिकायत देकर उसके पिता की तलाश करने की गुहार लगाई है। जिसके आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व नगरपालिका चेयरमैन ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

- निम्न सामग्री का प्रयोग बर्दाश्त नहीं,एसडीओ बोले .अस्थाई नाला बनाया जा रहा है, जल्द बिछेगी पाइपलाइन

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता जय सिंह ने बताया कि अभी ये नाला अस्थाई रूप से बनाया जा रहा है। जल्द ही सुंदर नहर से प्रथम जलघर तक पाइप लाइन बिछाई जाएगी ताकि कस्बावासियों को पानी की किल्लत न हो।

बवानीखेड़ा में सुमड़ा खेड़ा रजवाहे से प्रथम जलघर तक बन रहे पानी के नाले में निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग से कस्बावासियों में रोष फैल गया और पूर्व नपा चैयरैन रमेश काजल द्वारा कुलदीप शर्मा, हिम्मत, संजय, ओमप्रकाश, संजय जांगड़ा संग मिलकर मौक का निरीक्षण किया। वहीं विभाग के एसडीओ ने इसे अस्थाई नाला व जल्द नई पाइप लाइन बिछाने का हवाला दिया। उल्लेखनीय है कि भिवानी से हांसी तक नेशनल हाईव अथोर्टी द्वारा रोड़ का निर्माण करवाया जा रहा है।

सुमड़ा खेड़ा रजवाहे का कनेक्शन प्रथम जलघर व सुंदर नहर का कनेक्शन द्वितीय जलघर से है जहां से दोनों जलघरों को नाले व पाइपलाइन के माध्यम से पानी डालकर भरा जाता है। प्रथम जलघर से नाला क्षतिग्रस्त है तो दूसरे से पाइपलाइन को नया बिछाया जा रहा है। बताया जाता है कि बार.बार पूर्व पार्षदों व समाजसेवियों द्वारा एनएचएआई कर्मचारियों व अधिकारी सहित जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के स्टाफ संग मिलकर प्रथम जलघर की पाइपलाइन को जुड़वाने का कार्य किया है तो वहीं प्रथम जलघर के नाले के क्षतिग्रस्त होने से इसका निर्माण जारी है। इस नाले में निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग होने पर पूर्व नपा चेयरमैन सहित अनेक लोगों ने निरीक्षण किया और पाया कि इसमें मिट्टी से लबरेज ईंटें व निम्न सामग्री का प्रयोग किया जा रहा था। जिसमें सीमेंट की मात्रा भी कम बताई जाती है। लोगों ने बताया कि इस निम्न स्तर की सामग्री से नाले में पानी आने पर ये चंद दिनों में टूटकर बिखर जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक हैं मनोज

मिरान के प्रोफेसर मनोज ने एल्ब्रुस पर्वत पर लहराया तिरंगा

भिवानी। यूरोप महाद्वीप के सबसे ऊंचे एल्ब्रुस पर्वत पर तिरंगा लहराते गांव मिरान के प्रोफेसर मनोज।

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

- रूस देश के काकेकश पर्वत माला में स्थित रुस व यूरोप महाद्वीप के सबसे ऊंचे पर्वत पर 1 जुलाई को सुबह 8 :30 बजे भारत का तिरंगा लहराया

हवाओं ने मुझे हताश करने की बहुत कोशिश की, मैं वह परिंदा बना जिसने ऊंची उड़ान भरना सही समझा। इन लाइनों को सच करने का काम हिसार के राजकीय महाविद्यालय में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं मूल रूप से तोशाम क्षेत्र के गांव मिरान निवासी प्रोफेसर मनोज ने किया है।

गत 24 जून से 3 जुलाई तक चल अपने अभियान के बारे में बताते हुए प्रोफेसर मनोज ने कहा कि रूस देश के काकेकश पर्वत माला में स्थित रुस व यूरोप महाद्वीप के सबसे ऊंचे पर्वत एलब्रुश पर 1 जुलाई को सुबह 8:30 बजे भारत का तिरंगा लहराया। उन्होंने बताया कि यूरोप महाद्वीप के सबसे ऊंचे पर्वत को उत्तर की ओर से विजय किया तथा उसकी पूर्वी चोटी जिसकी ऊंचाई 5621 (पश्चिमी सम्मिट 5642) मीटर है पर भारत का तिरंगा लहराते हुए न केवल हरियाणा का बल्कि भारत का नाम भी रोशन किया। उन्होंने बताया कि इस पर्वत की चढ़ाई उत्तर की तरफ से करना बड़ा ही मुश्किल काम है, जहां पर तापमान माइन्स 30 डिग्री व 60 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज बफीर्ली हवाएं व ऑक्सीजन की मात्रा लगभग 50 प्रतिशत होती है। उन्होंने साहस का परिचय देते हुए एल्ब्रुस पर तिरंगा लहराने का काम किया। उन्होंने अभियान के आखिरी दिन लगभग 1800 मीटर की चढ़ाई की व लगातार 9:30 घंटे बर्फ के ऊपर चलकर अपने अभियान को पूरा किया।

उन्होंने अभियान को सफल बनाने एवं हौसला बढ़ाने के लिए माता-पिता, पत्नी, उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा सरकार, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार, पूर्व प्राचार्य डॉ. दीपमाला लोहान व सभी स्टाफ सदस्यों का आभार जताया।

रोज गार्डन में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों का महासम्मेलन कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

शुक्रवार को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जनकल्याण संगठन की कोर कमेटी की बैठक रोज गार्डन में हुई। बैठक की अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह अटेला ने की।

बैठक में स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रित पोते-पोतियों आदि को पुवार्नुसार दो प्रतिशत पृथक आरक्षण मिलना चाहिए तथा पहली पीढ़ी को पेंशन मिले इसको लेकर विस्तार से चर्चा की तथा उक्त मांगों को सिरे चढ़वाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर ज्ञापन सौंपने की रणनीति तैयार की। संगठन के महासचिव उमेद यादव ने बताया कि पूर्व की सरकारों ने स्वतंत्रता सेनानी आश्रितों को अलग से दो प्रतिशत आरक्षण दिया हुआ था, इस विषय को लेकर आगामी सात जुलाई को प्रातः 10 बजे स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें महेन्द्रगढ़, हिसार, भिवानी, झज्जर व रोहतक के नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जनकल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मानित होने से कुछ स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी वंचित रह जाते है, तो उनका नाम, पता भी महासम्मेलन में लिखा जाएगा ताकि उनकी सूचियां तैयार की जा सके।

हाथी 3 मील दूर से भी पानी की गंद को सूंघने की क्षमता रखता है।

चमगादड़ एक ऐसा स्तनधारी है जो की उड़ भी सकता है।

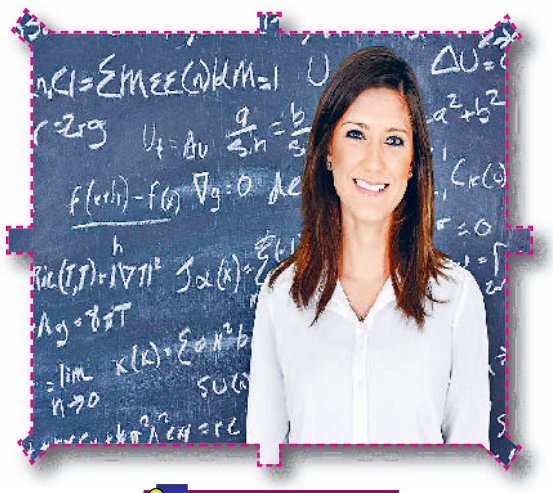

अच्छा वेतन और सम्मान पाना है तो बनें विज्ञान के अध्यापक

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

राज्य सरकार और केंद्र सरकार समय-समय पर साइंस टीचर के भर्ती की घोषणा की जाती है। राज्य और केंद्र स्तर पर संचालित स्कूलों के लिए हर वर्ष साइंस टीचर की भर्ती का आयोजन होता है। आप उस भर्ती के लिए आवेदन करके साइंस टीचर बन सकते हैं। एक सरकारी साइंस टीचर बनने के बाद आप एक बेहतर भविष्य की कल्पना कर सकते हैं। क्योंकि यहां पर अच्छा वेतन और काफी सम्मान मिलता है जबकि प्राइवेट संस्थान ज्वाइन करके भी आप अच्छा वेतन और सम्मान पा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहे तो अपना खुद का कोचिंग सेंटर खोल सकते हैं या दूसरे कोचिंग सेंटर में नौकरी की तरह काम भी कर सकते हैं।

विज्ञान के विषय को पढ़ाना होता

विज्ञान पढ़ाने वाला अध्यापक साइंस टीचर होता है। इस अध्यापक का काम विज्ञान विषय को छात्रों को पढ़ाना होता है। पाठ्यक्रम में निर्धारित किया गया विज्ञान का ज्ञान छात्रों को देना होता है। विज्ञान के तहत आने वाले आविष्कार और प्रयोगों के बारे में बताता है प्रयोग सिद्ध करके बताता है और विज्ञान की जर्नी तथा विज्ञान में आगे बढ़ने के रंग रूप समझाता है। साइंस टीचर आपको छोटे स्कूलों से लेकर बड़े-बड़े कॉलेज स्कूल और शिक्षण संस्थान में देखने को मिल जाते हैं। अगर आपका विज्ञान विषय में रुचि है तो आप साइंस टीचर बन सकते हैं। विज्ञान का विषय बहुत ही स्कोप वाला विषय है अगर आप विज्ञान के क्षेत्र में टीचर बनते हैं तो आपको देश और दुनिया भर के अनेक सारे स्कूल कॉलेज और शिक्षण संस्थान में नौकरियां मिल जाती है। आप अपना खुद का अलग से एक विज्ञान स्कूल भी खोल सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी विज्ञान के प्रति रुचि होनी चाहिए और विज्ञान को बारीकी से समझने की भी जरूरत होती है। आप दसवीं कक्षा पास करने के बाद पूरी तरह से विज्ञान में पढ़ाई कर सकते हैं। 12वीं कक्षा में आप विज्ञान विषय का चयन करके आगे की पढ़ाई भी विज्ञान में करें। ग्रेजुएशन करने के बाद किसी भी शिक्षण संस्थान से अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पात्र हो जाते हैं।

ऐसे बनें अध्यापक

साइंस टीचर बनने के लिए साइंस स्ट्रीम में अच्छी तरह से अध्ययन करने की आवश्यक है। साइंस विषय में अच्छी दक्षता प्राप्त करने के साथ-साथ टीचर ट्रेनिंग कोर्स तथा साइंस में डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त करके साइंस टीचर बन सकते हैं। अगर आप शुरुआत से ही साइंस के प्रति सजग हो जाते हैं तो इस विषय में आगे बढ़ना आपके लिए काफी आसान हो जाता है इसीलिए आपको कक्षा 10 के बाद विज्ञान संकाय का चुनाव करना चाहिए 11वीं कक्षा में प्रवेश लेते समय आपको विज्ञान संकाय के विषय का चुनाव करके उसमें अध्ययन करना चाहिए। इसमें भौतिक विज्ञान , रसायन विज्ञान , गणित , जीवविज्ञान आदि विषय शामिल है।

12वीं के बाद अच्छी तैयारी करें

अगर आप और 12वीं क्लास पास करने के बाद साइंस टीचर बनना चाहते हैं। तो इसके लिए आपको बीएससी विज्ञान विषय के साथ करना होगा बीएससी में विज्ञान वर्ग से कोई भी 3 विषय का चयन कर सकते हैं जिसमें वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान एवं रसायन विज्ञान शामिल है। इसमें से आप किसी भी एक विषय का चयन करके बीएससी कंप्लीट कर सकते हैं। अगर आप विज्ञान के इन विषय में अच्छा अध्ययन करेंगे तो बीएससी करने के बाद शिक्षण प्रशिक्षण डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना आपके लिए काफी आसान हो जाएगा क्योंकि वर्तमान समय में शिक्षण प्रशिक्षण की डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत की अनिवार्यता लागू की गई है।

करना होगा ट्रेनिंग कोर्स

साइंस में बीएससी पूरा करने के बाद साइंस टीचर बनने के लिए टीचर ट्रेनिंग कोर्स करना होगा। यह टीचर ट्रेनिंग कोर्स स्नातक स्तरीय होना चाहिए जैसे बीएड यानी कि बैचलर ऑफ एजुकेशन कोर्स को करने के लिए 2 वर्ष की समय अवधि निर्धारित की गई है यह कोर्स किसी भी राज्य सरकार या भारत सरकार से संबंधित विश्वविद्यालय एवं एनसीटीई से मान्यता प्राप्त होना चाहिए। बीएससी और बीएड या उसके समकक्ष कोई अन्य अध्यापक प्रशिक्षण डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आप साइंस टीचर बनने के योग्य हो जाते हैं।

उत्तीर्ण करनी होगी अध्यापक पात्रता परीक्षा

अब भी आपको सरकारी विद्यालय में साइंस टीचर बनाने के लिए आवेदन करने हेतु एक और चरण से गुजरना होगा और वह चरण हैं अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना। देश के विभिन्न राज्यों द्वारा अध्यापक पात्रता परीक्षा का समय-समय पर आयोजन करवाया जाता है संबंधित भर्तियों के लिए आयोजित पात्रता परीक्षा के तहत आवेदन करके आपको उस परीक्षा को पास करना होगा।

कितने तरह के होते साइंस टीचर

प्राथमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान अध्यापक: कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों का अध्यापन कराने वाले शिक्षकों को तृतीय श्रेणी अध्यापक यानी थर्ड ग्रेड टीचर कहा जाता है। थर्ड ग्रेड साइंस टीचर बनने के लिए विज्ञान विषय के साथ बीएसएससी एवं बीएड तथा अध्यापक पात्रता परीक्षा पास करनी होगी।

माध्यमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान टीचर : कक्षा 9 से लेकर कक्षा 10 को माध्यमिक विद्यालय कहते हैं इस श्रेणी को द्वितीय श्रेणी ग्रेड टीचर या फिर वरिष्ठ अध्यापक भी कहते हैं। इस श्रेणी के अंतर्गत विज्ञान विषय के अध्यापक बनने के लिए आपको विज्ञान विषय में ग्रेजुएशन एवं बीएड करना होगा। इसके अलावा अध्यापक पात्रता परीक्षा पास करने के बाद आप एक ट्रेंड ग्रेजुएट टीचरी बन जाएंगे जोकि सेकंड ग्रेड अध्यापक ही होता है।

उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान टीचर : जिस स्कूल में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है इसे प्रथम श्रेणी का अध्यापक या फर्स्ट ग्रेड टीचर कहा जाता है।

अभियान विशेषज्ञ की पूरी दुनिया में भारी डिमांड

ऑफलाइन मोड में स्किल्स और प्रशिक्षण जरूरी

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनकर करियर को दे सकते हैं नई दिशा

जॉब ट्रेंड्स

डॉ. मोहित बंसल, करियर कोच

आज की तेजी से बदल रही दुनिया में युवाओं के लिए करियर के कई विकल्प मौजूद हैं। युवा सिर्फ सरकारी नौकरी की तरह ही न भागें, बल्की अपनी क्षमता और कौशल को निखारकर दूसरे क्षेत्रों में भी किस्मत आजमा सकते हैं। यहां उन्हें अच्छा पैसा, इज्जत और नाम कमाने का बेहतरीन मौका मिल सकता है। बस जरूरी है थोड़ी मेहनत और लगन की। इसके बाद आपको पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं है। इसलिए विद्यार्थियों को नौकरी के लिए घबराने की जरूरत नहीं है। युवाओं के सामने उच्च वेतन एवं कम प्रतिस्पर्धी करियर विकल्प है एक्सपीडिशन एक्सपर्ट यानी अभियान विशेषज्ञ। इस इस क्षेत्र में भी आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। आज के समय में एक्सपीडिशन एक्सपर्ट न केवल भारत अपितु समूचे संसार में अच्छे अवसरों के साथ अच्छे वेतन पर अच्छा जीवन बीता रहे हैं। इसलिए आप भी एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनकर अपने करियर को नई उड़ान दे सकते हैं।

अच्छे अवसरों के साथ मिलता अच्छा वेतन

- सर्टिफिकेशन कोर्स 5,000 से 30,000 रुपये में कर सकते
- कोर्स करने के लिए 5 से 15 दिनों तक का समय देना जरूरी
- कुछ कोर्सेज के लिए ऑनलाइन भी कर सकते हैं अप्लाई

क्या है एक्सपीडिशन एक्सपर्ट

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट (अभियान विशेषज्ञ) का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है जो एडवेंचर यात्राओं और अभियानों की योजना बनाने, उन्हें संचालित करने और सफलतापूर्वक पूरा करने की विशेषज्ञता रखता है। ऐसे व्यक्ति के पास साहसिक गतिविधियों जैसे पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, जंगल सफारी, और अन्य चुनौतीपूर्ण अभियानों का पूरा ज्ञान और अनुभव होता है। वह सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीम का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि यात्रा का हर पहलू सुचारू और सुरक्षित पूरा हो। अभियान विशेषज्ञ के रूप में करियर रोमांचक और विविधतापूर्ण भरा है। इस क्षेत्र में व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के असीम अवसर मौजूद हैं। साहसिक गतिविधियों का जुनून और नए कौशल सीखने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए यह क्षेत्र सफलता की कुंजी है।

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए क्या जरूरी

शिक्षा : एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता महत्वपूर्ण है। इसके लिए भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, वन्यजीव विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में ग्रेजुएशन की डिग्री जरूरी है। इसके साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े भूगोल, जलवायु और चुनौतियों को भी समझना जरूरी है।

प्रशिक्षण : शिक्षा के साथ-साथ स्कूबा डाइविंग, बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, वन्यजीव सफारी, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, ट्रेकिंग का प्रशिक्षण लें और अन्य साहसिक खेलों पर रिसर्च जरूर करें। इसके बाद ही इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आगे बढ़ें।

यहां से लें प्रशिक्षण : आप नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (एनआईएम), हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई), कार्डिओ पल्मोनरी रिसकिटेशन (सीपीआर) इंटरनेशनल राफ्टिंग फेडरेशन (आईआरएफ), इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन (आईएमएफ), प्रोफेशनल एसोसिएशन ऑफ़ डाइविंग इंस्ट्रक्टर्स (पीएडीआई) जैसे संस्थानों से कोर्स कर सकते हैं। यहां से सर्टिफिकेट एवं प्रोफ़ेसनली काम के लिए लाइसेंस भी ले सकते हैं। क्योंकि कुछ गतिविधियों के लिए विशेष लाइसेंस की जरूरत होती है।

फीस एवं समय

फीस एवं समय : सर्टिफिकेशन कोर्स करने के लिए आपको 5,000 से 30,000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। इन कोर्सेज के लिए 5 से 15 दिनों तक का समय लगता है। इनमें से कुछ कोर्सेज के पाठ्यक्रमों के लिए आप ऑनलाइन मोड में भी पढ़ाई कर सकते हैं। हालांकि जरुरी स्किल्स और प्रशिक्षण आपको ऑफलाइन मोड में ही सीखने होंगे।

अनुभव : जितना संभव हो उतना व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें और स्वयं को कार्डिओ, शक्ति प्रशिक्षण, एवं धीरज अभ्यास के जरिये फिट रखें। विभिन्न एक्सपीडिशन अभियानों में शामिल हों और नए नए कौशल सीखें।

स्वयंसेवा : विभिन्न पर्यावरणीय और साहसिक गतिविधियों में एक वालंटियर की तरह स्वयंसेवा करें। इससे आपको अनुभव के साथ-साथ नेटवर्क बनाने में मदद मिलेगी और आसानी से अपने करियर को चमका सकेंगे।

रोजगार के अवसर

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के करियर की संभावनाएं भारत में और वैश्विक स्तर पर बहुत व्यापक हैं। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर मौजूद हैं। एक एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए पर्यटन और साहसिक कंपनियां, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान, सरकारी और गैर-सरकारी संगठन, फिल्म और मीडिया औद्योगिक क्षेत्रों में करियर के लिए विशेष अवसर है। आप स्वतंत्र एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के रूप में भी काम कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल ऑप्शंस

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए विभिन्न कंपनियों में कई प्रकार की जॉब प्रोफाइल होती हैं। ये प्रोफाइल एडवेंचर यात्रा, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में हो सकती हैं। एडवेंचर टूर गाइड, एक्सपीडिशन प्लानर एंड कोऑर्डिनेटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर, सेफ्टी एंड रेस्क्यू स्पेशलिस्ट, एनवायर्नमेंटल कन्सेर्वटिव अफसर, फ्रीलांसर एक्सपीडिशन एक्सपर्ट जैसे बहुत सारे जॉब प्रोफाइल पर आप काम कर सकते हैं। इनमें आपको अच्छा वेतन भी मिलता है।

टॉप रेक्रुइट्रस संस्थान

एक्सपीडिशन उद्योग में टॉप रेक्रुइट्रस की श्रेणी में विभिन्न प्रकार की कंपनिया और संगठन आते हैं, जो एडवेंचर पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण,और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इस सूची में भारत और वैश्विक स्तर पर इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन (आईएमएफ), इंडिया हाइक, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई), एडवेंचर नेशन, ग्लोबल हिमालयन एक्सपीडिशन (जीएचई), ट्रेक द हिमालयस, नेशनल ज्योग्राफिक, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ), आउटवर्ड बाउंड, रेड बुल, पेटागोनिया, एडवेंचर इंटरनेशनल, गूगल अर्थ जैसी कंपनिया आती हैं। ये आपको अच्छे जॉब ऑफर कर सकती हैं।

अपडेट रहें

खुद को इस फील्ड में अपडेटेड रखने के लिए नए उपकरण, तकनीक, और पर्यावरणीय परिवर्तनों के बारे में अद्यतित रहें। इसके साथ साथ नियमित रूप से नए कौशल और ज्ञान प्राप्त करने के लिए कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लें। किताबें पढ़ें और अपने करियर को नई दिशा दें।

संचार कौशल

एक अच्छे एक्सपीडिशन एक्सपर्ट को अपने विचार और अनुभव को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में सक्षम होना चाहिए। ताकि सामने वाले की बात आसानी से समझ सकें और अपनी उसे समझा सकें।

मानचित्रण और नेविगेशन : जीपीएस, नक्शे और कम्पास का उपयोग करने में माहिर बनें। इसके साथ सर्वाइवल टेक्निक्स एवं जंगल बचाव का प्रैक्टिकल एक्सपोजर भी लें।

प्राथमिक चिकित्सा : आपात स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए प्रशिक्षित हों। ताकि समय पड़ने पर परेशानी महसूस न हो और जिस अभियान पर निकल रहें हैं, आपके साथ जो भी जा रहें हैं उन्हें आपात स्थिति में बचाने में सक्षम हो सकें।

नेटवर्किंग : शुरुआत में काम पाने के लिए कुछ विशेष संगठनों से नेटवर्किंग की भी जरुरत पड़ेगी। इसके लिए सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करके भारतीय एक्सपेडिशन क्लबों और संघों से जुड़ें।

उद्देश्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ने से जरूर मिलती है सफलता

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन की यात्रा में हमेशा सफलता होना आसान नहीं होता है। कभी-कभी छात्रों को उनके द्वारा चुने गए लक्ष्यों तक पहुंचने में समस्याएं आ सकती हैं। इस दौरान छात्रों को अपने मन के कष्टों का सामना करना पड़ सकता है और यह उनके उद्देश्यों को हासिल करने में रुकावट बन सकता है। लेकिन इस स्थिति से घबराने की जरूरत नहीं है। यदि आपको लगता है कि सब कुछ चल रहा है लेकिन फिर भी आपको सफलता नहीं मिल रही है, तो आपको निराश नहीं होना चाहिए। आपको अपने उद्देश्यों की ओर आगे बढ़ने की दृढ़ता और हौसला रखने की जरूरत है। पहले से ही जिंदगी इतनी आसान नहीं है। हर कोई अपनी मनचाही सफलता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करता है।

असफल होने पर पहले से ज्यादा मेहनत करें

यदि आपको लगता है कि आपकी मेहनत नहीं चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपकी निष्क्रियता या कमजोरी है। बल्कि इसका मतलब है कि आपको और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। अपने अंदर कोशिश करें, और निरंतर प्रयास करें। अपने दोषों को स्वीकार करें और अपनी गलतियों से सीखें। हमेशा याद रखें कि हम अक्सर अपने स्वयं के दुश्मन हो सकते हैं। इसलिए, आपको अपने खुद को परिवर्तित करने के लिए तैयार रहना होगा। जीवन में सफलता के लिए खुद को जानना और अपने प्रति विश्वास रखना बहुत महत्वपूर्ण है। जब तक आप खुद को जानते नहीं होंगे, तब तक आप अपने सपनों को हासिल करने में सक्षम नहीं हो सकते। अपने लक्ष्यों को ताक पर रखें और निरंतर उनके ओर बढ़ें। आपको अपने आप में इस संघर्ष के लिए जोश और संतुष्टि रखनी चाहिए। सफलता का सफर कभी भी आसान नहीं हो सकता है। उसमें अनेक प्रकार के परेशानियां आ सकती हैं। लेकिन आपको इस बात का हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि आपकी कोशिशों का परिणाम हमेशा सकारात्मक होगा। इसलिए, धैर्य और सहनशीलता का समय है। आप अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए हमेशा निराश न हों, बल्कि उससे ज्यादा मेहनत करें। अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने इच्छाशक्ति का उपयोग करें और जगहों और रिक्तियों को भरने के लिए इसका लाभ उठाएं। "जीवन एक संघर्ष भरा सफर है, जो कि आपको अपने मार्ग पर चलने से हटाना नहीं चाहता है। इसलिए, आपको अपने लक्ष्यों को त्यागने की बजाय उनके ओर बढ़ना और खुद को परिवर्तित करने के लिए तैयार रहना होगा। सफलता एक प्रक्रिया है और आपको धैर्य से सफल होने का इंतजार करना होगा। जब तक आप इस संघर्ष में जीतने के लिए सक्षम होंगे, तब तक आपको अपने उद्देश्यों को हासिल करने में कोई भी अडचन नहीं । आधुनिक समय में डिजिटल विश्व ने सभी क्षेत्रों में बदलाव लाया है। इंटरनेट की आधिकारिक शुरुआत से अब तक, हमारे सामने एक नया सवाल उठा है – क्या हम अपनी साइबर सुरक्षा की पर्याप्त सूचना हैं? भारत एक वास्तविक आकर्षण है जो कंप्यूटिंग का उच्च अनुप्रयोग कर रहा है। आधुनिक भारत में कम्प्यूटर और इंटरनेट का तेजी से विकास हो रहा है जो साइबर सुरक्षा को रोचक बनाता है। छात्र जीवन में शॉर्टकट हर समस्या का समाधान नहीं है।

शॉर्टकट लेना सही नहीं

मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। आसान पैसा और कम मेहनत से सफलता पाने की इच्छा अक्सर हमारे भीतर आलस्य और असंतोष को जन्म देती है। जब हम बिना मेहनत के किसी भी कार्य को पूरा करने का प्रयास करते हैं, तो हम उस कार्य की गहराई को समझने में असमर्थ रहते हैं। इससे हमारा आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास दोनों प्रभावित होते हैं। छात्र जीवन में शॉर्टकट लेने का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह होता है कि हम सच्चे ज्ञान और कौशल से वंचित रह जाते हैं, जो हमारे भविष्य की नींव होते हैं। इसके विपरीत, अगर हम हर कार्य में पूरी मेहनत और समर्पण के साथ लगते हैं, तो न केवल हमें गहन ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि हमारे आत्म-विश्वास में भी वृद्धि होती है। हमें यह समझना चाहिए कि जीवन में स्थायी सफलता का रास्ता कठिन परिश्रम और सतत प्रयासों से ही होकर गुजरता है। अक्सर, विद्यार्थी आसान रास्तों की तलाश में रहते हैं ताकि वे जल्द से जल्द सफलता प्राप्त कर सकें। लेकिन वे भूल जाते हैं कि शॉर्टकट से प्राप्त की गई सफलता बहुत ही अल्पकालिक होती है। जल्दी पैसे कमाने की होड़ में, वे अपनी वास्तविक क्षमताओं को पहचानने और उन्हें विकसित करने का अवसर गंवा देते हैं। यह स्थिति आगे चलकर गहरी निराशा और असफलता की ओर ले जाती है। शॉर्टकट लेने का परिणाम केवल व्यक्तिगत विकास को बाधित करना ही नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिकता को भी कमजोर बनाता है। जब हम शॉर्टकट के आदी हो जाते हैं, तो हम हर कार्य में वही तरीका अपनाने की कोशिश करते हैं, जिससे हमारी समस्या सुलझाने की क्षमता और दृढ़ता में कमी आ जाती है। इसलिए, हमें यह समझना चाहिए कि जीवन में सच्ची सफलता का मार्ग केवल और केवल कठिन परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयासों से होकर गुजरता है। विद्यार्थी जीवन में शॉर्टकट से बचना चाहिए और हर कार्य को पूरी ईमानदारी और मेहनत से करने का संकल्प लेना चाहिए।

सामान्य ज्ञान

1. जंतुओं में होने वाली 'फूट एंड माउथ' रोग किसके कारण उत्पन्न होता है ?
(ए) जीवाणु
(बी) कवक
(सी) प्रोटोजोआ
(डी) विषाणु

2. आलू में मोजेक रोग का कारक तत्व है -
(ए) विषाणु
(बी) जीवाणु
(सी) फफूंदी
(डी) शैवाल

3. वनस्पति विज्ञान की वह शाखा जिसमे जिसमे शैवालों का अध्ययन किया जाता है, कहलाता है -
(ए) वर्गिकी
(बी) माईकोलॉजी
(सी) सूक्ष्मजैविकी
(डी) फाईकोलॉजी

4. शैवालों की कोशिका भित्ति किसकी बनी होती है ?
(ए) काईटिन
(बी) सुवेरिन
(सी) सेल्यूलोज
(डी) क्यूटिन

5. हाईड्रा की स्त्रावी कोशिकाओं में कौन-सा सहजीवी शैवाल मिलता है ?
(ए) युक्लोरैला
(बी) नोस्टोक
(सी) युलोथ्रिक्स
(डी) स्पाईरोगाईरा

6. सरगासो समुद्र का नाम पड़ा -
(ए) कवकों के कारण
(बी) आवृतबिजीयों के कारण
(सी) शैवालों के कारण
(डी) ब्रायोफाईटा के कारण

7. गलगंड रोग से बचा जा सकता है और कुछ समुद्री खरपतवार खाने से इसका इलाज होता है, क्यूंकि इसमें प्रचूर माता में होता है -
(ए) सल्फर
(बी) आयोडीन
(सी) कैलिशियम
(डी) फास्फोरस

8. किस शैवाल से आयोडीन प्राप्त होती है ?
(ए) एक्टोकार्पस
(बी) लैमिनेरिया
(सी) ओडोगोनियम
(डी) युलोथ्रिक्स

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(डी) 4.(सी) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(बी)

खबर संक्षेप

भाजपा शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने पर तुली: ढांडा

चरखी दादरी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। भाजपा ने 2014 से 2016 तक दो साल में सरकारी स्कूलों में 4 लाख बच्चों का फर्जी दाखिला दिखाकर करोड़ों का घोटाला करने का काम किया। इन बच्चों के नाम पर वजीफे, मिड डे मील और वर्दी के करोड़ों रुपये गबन कर लिए। भाजपा के शीर्ष नेताओं और उस समय के शिक्षामंत्री की शह के बिना पूरे हरियाणा में इतना बड़ा फर्जी दाखिले का घोटाला संभव नहीं है।

चार लाख बच्चों का फर्जी दाखिला करवाया : शर्मा

भिवानी। आम आदमी पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष इंदु शर्मा ने बयान जारी कर शिक्षा घोटाले में सीबीआई की एफआईआर पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता पिछले 9 दस साल से भाजपा की योजनाओं से तो त्रस्त है लेकिन अब वो परतें खुलने लगी है, जिससे पता चलता है कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। कुछ दिन पहले ही सीबीआई ने शिक्षा घोटाल में एफआईआर दर्ज की है।

'अपराध और बेरोजगारी के मामले में प्रदेश अग्रणीय'

भिवानी। कांग्रेस सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में जहां हरियाणा को रोजगार व विकास के मामले में देश भर में अव्वल राज्यों में गिना जाता था, वही अब भाजपा शासनकाल में उसी हरियाणा को अपराध, बेरोजगारी व महंगाई के मामले में अग्रणीय राज्यों में गिना जाता है। यह आरोप हरियाणा कांग्रेस सेवा दल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कादियान ने प्रैस को जारी ब्यान में लगाया।

सम्मेलन को लेकर चलाया जनसम्पर्क अभियान

चरखी दादरी। वरिष्ठ नेता बलराज फौगाट ने शुक्त्रवार को चरखी दादरी के साथ लगते बाढ़डा हल्के के गांव ढाणी फौगाट, टिकान कलां, खेड़ी, महराणा, पातुवास में 8 जुलाई को दादरी की नई अनाज मण्डी में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए कार्यकर्ताओं को निमंत्रण दिया और अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने का आह्वान किया।

लंबित मामलों का 31 तक करेंगे समाधान

भिवानी। सरकार के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद के निर्देशानुसार हरियाणा मूल्य वर्धित कर ;हरियाणा वैल्यू एडेड टैक्स, एक्ट 2003 तथा एक अगस्त 2017 को वस्तू एवं सेवा कर जीएसटी एक्ट 2017 में समाहित सभी सात अधिनियमो के अंतर्गत लंबित मामलों के समाधान के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा 31 जुलाई तक समाधान किया जाएगा। समाधान जिला आबकारी एवं कराधान आयुक्त;बिक्री कर सुबह 11:00 बजे से दोपहर एक बजे तक कार्यालय में समाधान करेंगे। भिवानी की जिला आबकारी एवं कराधान आयुक्त ;बिक्री कर अमिता तंवर ने यह जानकारी दी।

पेड़ प्रकृति के उपहार एवं श्रृंगार की तरह, अधिक से अधिक पौधे लगाएं

551 विद्यार्थियों ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का लिया संकल्प

भिवानी। विद्यार्थियों को पौधरोपण के लिए पौधें भेंट करती स्कूल संचालिका सावित्री यादव व राष्ट्रपति अवार्डी अशोक भारद्वाज। फोटो: हरिभूमि

वन महोत्सव के प्रथम चरण में लगेंगे 1000 पौधें : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति और सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा दो माह तक चलने वाले वन महोत्सव का आगाज किया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्लास्टिक बॉटल एवं वेस्ट प्लास्टिक मेटेरियल के गमले बनाकर उसमें पौधें तैयार किए हैं। विद्यार्थियों ने पौधरोपण का संकल्प लिया। विद्यालय संचालिका सावित्री यादव एवं वन महोत्सव अभियान 2024 के संयोजक एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार अवार्डी अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा हमें अधिक से अधिक पौधें वन महोत्सव के तहत लगाने हैं। स्कूल संचालिका सावित्री यादव व राष्ट्रपति अवार्डी भारद्वाज ने विवेकानंद हाई स्कूल के 551 विद्यार्थियों को एक पेड़ मां के नाम लगाने के लिए पौधें भेंट किए और उन्हें पौधरोपण करने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव भारत में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला कार्यक्रम है। ये कार्यक्रम पेड़ लगाने के लिए समर्पित है और वर्ष 1950 में शुरू हुआ है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़े प्रत्येक देशवासी: रीतिक वधवा

भिवानी। ग्लोबल वॉर्मिंग से बचने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा नेअपनी माता के साथ एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देशवासियों को ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी चुनौतियों से बचने के लिए पूरे देश में पीएम ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का अभिनव आह्वान किया है। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति अध्यापिका कृष्णा आर्य, बाबूलाल स्वमी, इंडिया स्पोर्ट्स संघ कार्यकारिणी सदस्य रमेश चौधरी , पंकज शर्मा , संदीप कुमारआदि मौजूद रहे।

भिवानी। पौधरोपण करते अतिथि व ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

गांव कालुवास में सार्वजनिक स्थानों पर लगाए 200 पौधे

भिवानी। विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर गांव कालुवास में पंचायत भूमि, मंदिर परिसर और पशु अस्पताल परिसर, सरकारी स्कूल में नेहरू युवा केंद्र, विश्व युवक केंद्र और ग्रामीण विकास मंडल के सदस्यों के सहयोग से लगभग 200 पौधें रोपित किए, जिसमें मुख्यतिथि के तौर पर नेहरू युवा कल्याण विभाग के अधिकारी रोहित यादव, आयुष विभाग के अधिकारी और गांव कालुवास के सरपंच आशीष बेनीवाल और ग्रामीण विकास मंडल के सदस्य मोहित बॉक्सर, रोहित जेझ, विजय सूबेदार, अमित, आर्यन, विनोद, सोनू, राजबीर व शुभम आदि मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक मोहित ने बताया कि पर्यावरण हमारी मूल्य धरोहर है, जिसकी हमें रक्षा एवं सुरक्षा करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित वातावरण दिया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिलना उनका प्राकृतिक अधिकार है जो उन्हें मिलना चाहिए, जिसे भावी पीढ़ी स्वच्छ वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन, शुभअवसरों व पूर्वजों की पुण्यतिथि पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण हो सके।

भिवानी। जनसभा को संबोधित करती जिप चेयरपर्सन अनीता मलिक।

जिप चेयरपर्सन व व्यापार मंडल प्रधान ने भाजपा छोड़ने का किया ऐलान

- तोशाम में चेयरपर्सन अनिता के निवास पर हलके के लोगों से विचार विमर्श कर लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक सहित तोशाम व्यापार मंडल के प्रधान जोगेंद्र मलिक व खानक क्रेशर संगठन के पूर्व प्रधान कृष्ण मलिक ने शुक्रवार को तोशाम स्थित निवास स्थान पर हलके के लोगों की बैठक बुलाकर विचार-विमर्श किया तथा भाजपा छोड़ने का ऐलान कर दिया। बैठक के दौरान चेयरपर्सन अनिता ने लोगों से कहा कि मैं साधारण परिवार से हूं, राकेश मलिक के सपनों को पूरा करने में लगी हूं।

अनीता ने बिना नाम लिए दो बड़े नेताओं पर जुबानी वार करते हुए कहा कि जिप चुनाव में दोनों ने मुझे हराने का पूरा जोर लगाया था कि अनीता को मत जिताओ, उन्हें पता था कि मैं जिला पार्षद बनी तो चेयरपर्सन जरूर बनेगी। मलिक ने कहा कि हम चुनाव जीते और जिप चेयरपर्सन भी बनी, लेकिन अब इन दोनों को बहुत ज्यादा तकलीफ है कि अनीता का अध्यक्ष पद कैसे छुड़ाया जाए। यह जिला परिषद का अध्यक्ष पद अनीता का नहीं, बल्कि तोशाम हलके के सभी लोगों का है। हलके के लोगों का फैसला जो होगा वह मुझे मंजूर है, यदि हलके के लोग मुझे आशीर्वाद देंगे तो मैं उनके साथ चट्टान की तरह खड़ी हूं। कृष्ण मलिक ने कहा कि उन्होंने चेयरमैनी का पद मिलने के बाद हलके में बहुत ज्यादा विकास कार्य करवाएं हैं जो बड़े नेताओं को हजम नहीं हो रहे हैं, जिसकारण उन्हें दोनों मिलीभगत कर परेशान कर रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर खंड कैरू के बीडीसी चैयरमैन नागेश, वाइस चैयरमैन बिजेंद्र, तोशाम सरपंच एसोसिएशन के प्रधान राजेंद्र आलमपुर, बवानीखेड़ा सरपंच एसोसिएशन प्रधान सुरेश, पार्षद राजबाला, पार्षद शीला, पार्षद राजा, पार्षद रामनिवास, पार्षद सुमेश, पार्षद कृष्ण, पार्षद रूपेंद्र, पार्षद सतबीर सांगा, पार्षद नरेंद्र, लाला प्रधान कैरू आदि मौजूद थे।

उपायुक्त ने सुनीं शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। नागरिकों की समस्या सुनते डीसी मनदीप कौर। फोटो: हरिभूमि

नागरिकों की समस्याओं के समाधान में जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर कारगर सिद्ध हो रहे हैं। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का समाधान होने से उनमें सरकार व जिला प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। वे सरकार की इस मुहिम से बेहद प्रसन्न नजर आ रहे हैं। उपायुक्त मनदीप कौर ने समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करें। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार व जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। शिविर को लेकर मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने उपायुक्तों के वीडियो कांफ्रेंस से प्रगति का जायजा लिया है और जल्द समाधान के निर्देश दिए हैं। हरसंभव कोशिश करें कि नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान हो। शिविर में परिवार पहचान पत्र, विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिजली, पेयजल, स्वामित्व रजिस्ट्री सहित विभिन्न प्रकार की समस्याएं सुनी गईं। शिविरों में प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण आदि से संबंधित शिकायतें ज्यादा आ रही हैं।

बाजरा और ज्वार के लिए 2400 रुपये व दिया जाएगा अनुदान

भिवानी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजना के तहत किसानों को बाजरा, ज्वार तथा मूंग की खेती पर अनुदान दिया जाएगा। बाजरा तथा ज्वार के प्रदर्शन प्लांट के लिए प्रति एकड़ 2400 रुपये व मूंग के प्रदर्शन प्लांट पर प्रति एकड़ 3600 रुपये की धनराशि का अनुदान दिया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक विनोद फोगाट ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। बाजरा तथा ज्वार के लिए एक किसान अधिकतम पांच एकड़ जमीन पर अनुदान मिलेगा।

अधिक से अधिक पौधे लगाएं: जैनावा

- केंचुआ पद्धति अपनाकर लागत को कम कर आमदनी बढ़ा सकते है किसान: युद्धवीर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें आर्थिक भंवर से बाहर निकालने के लिए गठित किए गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट का शुक्रवार को गांव ईशरवाल में एक और कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यतिथि समाजसेविका डॉ. सुनीता जैनावा ने शिरकत की तथा कार्यक्रम में द्वीप प्रज्वलित मौनी बाबा महंत तुरंतनाथ महाराज ने किया। गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धवीर खरेटा ने बताया कि कार्यालय ईशरवाल के सुरेंद्र ने शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा के विचारों से प्रभावित होकर तथा उनकी लड़ाई को जारी रखने के उद्देश्य से ट्रस्ट को निःशुल्क दिया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यतिथि समाजसेविका डॉ. सुनीता जैनावा ने कहा कि शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा ने किसानहित जीवन पर्यंत संघर्ष किया, ऐसे में उनकी संघर्ष से प्रेरित होकर किसानहित में कार्य करना सराहनीय कदम है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यतिथि ने उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया।

आठ को देंगे विस चुनाव की तैयारियों को धार

- सतबीर रतेरा ने धनाना में दिया लोगों को न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

कांग्रेस नेता मास्टर सतबीर रतेरा ने गांव धनाना में आयोजित जनसभा के दौरान जिलास्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का न्यौता दिया। इस मौके पर भारी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ये सम्मेलन 8 जुलाई को एक निजी रेस्तरा में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नेतृत्वकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेतापक्ष चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान बतौर मुख्यातिथि कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। इससे पूर्व जनसभा में पहुंचने पर मास्टर सतबीर रतेरा का फलों से तौलकर जोरदार स्वागत किया गया।

सीएम से मिले भाजपा नेता

- पीने के पानी को तरसे शहर में जल्द स्थाई समाधान करवाने के लिए सीएम के समक्ष रखी शहर की बात

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा कस्बा में पिछले लम्बे समय से चल रहे जलसंकट सहित कस्बे व हल्के की जनसमस्याओं का समाधान करवाने के लिए भाजपा नेता सुरेश ओड ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें हल्के की जनसमस्याओं से अवगत करवाया। भाजपा नेता सुरेश ओड ने बताया कि गुरुवार को उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह जी से मुलाकात कर हल्के की जनसमस्याओं से उन्हें अवगते हुए बताया कि पानी की बूंद बूंद के लिए लोग तरस रहे हैं। अधिकारी कर्मचारी फोन उठाना उचित नहीं समझते जबकि उन्हें जनता की सेवा के लिए नियुक्त किया गया है ताकि उनकी समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कस्बा सहित गांवों में चल रहे जलसंकट सहित अन्य प्रमुख जनसमस्याओं को उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। सुरेश ओड ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सच्चे जनहितैषी है और जनकल्याणकारी कार्योंर् को करवाने के लिए प्रतिबद्ध और तत्पर रहते हैं। उन्होंने बवानीखेड़ा की जनसमस्याओं पर उन्होंने साकारात्मक प्रतिक्त्रिया दी है। तत्पश्चात भाजपा नेता सुरेश ओड ने कहा कि गुरुवार को हरियाणा घुमंतू जाति प्रकोष्ठ की मीटिंग हुई।

बवानीखेड़ा। मुख्यमंत्री से मिलकर जनसमस्याओं के बारे अवगत कराते हुए भाजपा नेता सुरेश ओड।

पंचायत भवन में राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग द्वारा 12 जुलाई को लगाई जाएगी बेंच

- बेंच द्वारा सुनी जाएंगी बाल संरक्षण अधिकार से संबंधित शिकायतें

भिवानी। पंचायत भवन में राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग के तत्वावधान में 12 जुलाई को विशेष शिविर बैंच.कैंप कार्यक्त्रम का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष शिविर में अलग-अलग विभागों द्वारा बेंच स्थापित किए जाएंगेए जिसमें बच्चों के अधिकारों की रक्षा के साथ.साथ उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में कैंप का आयोजन किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त हर्षित कुमार ने बताया कि पंचायत भवन में 12 जुलाई को लगने वाले इस बैंच यानी शिविर में पॉक्सो, गुमशुदा, बाल मजदूरी, बाल भिक्षावृत्ति, स्कूल संबंधी किसी दस्तावेज, आधार कार्ड, स्वास्थ्य संबंधी तथा मेडिकल सर्टिफिकेट, बच्चा गोद लेने में आने वाली समस्या जैसी बच्चों से जुड़ी किसी भी तरह की शिकायत को बैंच के सम्मुख रख सकते हैंए जिसका समाधान मौके पर किया जाएगा। इस दौरान मेंटल रिटायर्ड व दिव्यांग बच्चों के मेडिकल व यूडीआईडी सर्टिफिकेट, बच्चों के स्वास्थ्य की जांच आदि भी की जाएगी।

झगड़े में एक दूसरे पर लगाए मारपीट व धमकी देने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

- पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ दर्ज किया केस

गांव दगड़ौली में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों ने झोझू कलां थाना पुलिस को शिकायत देकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जिसके आधार पर पुलिस ने शुक्त्रवार को एक पक्ष के 7 लोगों के खिलाफ व दूसरे पक्ष के 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओ के तहत अलग.अलग केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में एक पक्ष के बलवान सिंह ने बताया कि वह शाम के समय खाना खाकर एक व्यक्ति के पास जा रहा था उसी दौरान उनके गांव के एक व्यक्ति ने पीछे से मोटरसाईकिल की टक्कर मारी। जब उसने कहा कि मोटरसाईकिल साइड में चला सकते हो तो उसने थप्पड़ मुक्कों से मारा उसके बाद उसने अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर लोहे के सरिया व धारधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। जिसके बाद परिजन उसे चरखी दादरी सिविल अस्पताल लेकर गए। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है जिसके आधार पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरे पक्ष से दगड़ौली निवासी हरीश ने बताया कि वह शाम के समय अपनी बाइक लेकर घर आ रहा था उसी दोरान दो लोगों ने उसे बाइक से गिरा लिया व उसकी हथेली पर चाकू मारा।

समर कैंप के 5वें दिन ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अत्यधिक ऊर्जा की खपत ग्लोबल वार्मिंग को देती है बढ़ावा

- नोडल अधिकारी ने ब्लैक बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को विस्तृत रूप से समझाया ऊर्जा संरक्षण का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ऊर्जा संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए। फोटो: हरिभूमि

सरकार व शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सरकारी विद्यालयों में मनाए जा रहे समर कैंप विद्यार्थियों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहे है,क्योंकि इन समर कैंपों के माध्यम से रोजाना विद्यार्थियों विभिन्न रोचक एवं भविष्य के लिए उपयोगी विषयों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इसी कड़ी में सरकार व शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार फा लसा इको क्लब द्वारा जिला के गांव घुसकानी स्थित शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में जारी 7 दिवसीय समर कैंप के 5वें दिन विद्यार्थियों ऊर्जा संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया। इस दौरान फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद पिंकू पीटीआई ने ब्लैक बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण की विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस मौके पर फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद पिंकू पीटीआई ने कहा कि उन्होंने कहा कि ऊर्जा जीवन का आधार होता है, जिसके संरक्षण के बिना भविष्य में जीवित रहने का कोई रास्ता नहीं है। यही नहीं अत्यधिक ऊर्जा खपत ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन को भी बढ़ावा देती है। ऐसे में ऊर्जा को बचाकर हम पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भूमिका निभा सकते है। उर्जा को संरक्षित कर हम ना सिर्फ स्वयं की मुश्किलों को कम करेंगेए बल्कि ऊर्जा की दिन.प्रतिदिन हो रही कमी को भी व्यवस्थित करने में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन व अन्य छात्र.छात्राओं को ऊर्जा की महत्ता बताने के पीछे की सोच है कि वे उसके महत्व को जानें व दूसरों को भी बताएं। पीटीआई विनोद पिंकू ने विद्यार्थियों को बताया कि ऊर्जा संरक्षण के लिए घर में विद्युत उपकरणों को समय.समय पर साफ करते रहना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सामाजिक अध्ययन अध्यापक मुकेश सांगवान ने कहा कि आधुनिक समय में ऊर्जा का हमारे जीवन में काफी महत्व है। उन्होंने कहा कि प्रकृति में संसाधन सीमित है। विशेषकर ऊर्जा के उन सभी संसाधनों की जिन्हे पुनःनिर्मित नहीं किया जा सकता है। ऐसे में भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। इस अवसर पर मुकेश सांगवान, लक्ष्मी देवी, अनिल शर्मा, गुड्डी देवी, अनिल हिंदी अध्यापक, प्रवेश कुमारी, विजेंद्र सिंह, नवीन ढांडा, सुरेंद्र सिंह, ममता रानी, जोगेंद्र सिंह, बिमला देवी आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

पौधागिरी अभियान को सफल बनाने के लिए वन अधिकारी से मिले बीईओ

बाढ़ड़ा। खंड बाढ़डा के स्कूलों में पौधागिरी अभियान को गति मिले और लक्ष्य जल्द पूरा इसके लिए खंड के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूल प्रमुखों को बीईओ द्वारा पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सभी स्कूलों को पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित हो इसके लिए बीईओ जलकरण ने बाढ़डा नर्सरी में वन राजिक अधिकारी रविंद्र राणा से मुलाकात कर स्कूलों द्वारा पौधे प्राप्त करने की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर पौधागिरी अभियान खंड नोडल अधिकारी हरपाल आर्य और सुंदरपाल फोगाट भी उपस्थित रहे। बीईओ जल करण ने बताया कि मानसून का सीजन शुरू होने के बाद जुलाई माह से स्कूलों को हरा.भरा बनाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा पौधागिरी अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत सभी सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या अनुसार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

भिवानी। खिलाड़ी लविश को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

लविश ने मुआ थाई गेम में जीता कांस्य पदक

भिवानी। हलवासिया विद्यालय के छात्र कक्षा आठवीं के लविश ने असम में चल रहे मुआ थाई एसोसिएशन ऑफ फिजिकल एजुकेशन आई एफएमए के तहत 'मुआ थाई 'गेम में भाग लिया और उसमें तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रांज मेडल प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय पहुंचने पर प्रशासक शमशेर सिंह अहलावत, प्राचार्य विमलेश आर्य,माध्यमिक विभाग प्रमुख सुवीरा गर्ग ने लविश की शानदार उपलब्धि पर खुशी जताई और कहा कि यह विद्यालय और भिवानी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस सफलता के लिए उन्होंने छात्र लविश व उनके अभिभावकों को बधाई दी।

भिवानी। धार्मिक यात्रा पर रवाना होते साइकिल मैन नरेंद्र यादव।

साइकिल मैन नरेंद्र की धार्मिक यात्रा फिर से शुरू

भिवानी। हरियाणा के प्रसिद्ध साइकिल मैन नरेंद्र यादव की ऐतिहासिक साइकिल यात्रा 5 जुलाई को बाबा पूणार्नंद गिरी मंदिर नंदगांव से श्रीकेदारनाथ, श्रीबद्रीनाथ, श्रीहेमकुंड साहिब यमुनोत्री व गंगोत्री तक जाएगी और आते समय गंगोत्री से गंगाजल लेकर दो अगस्त को शिवरात्रि पर्व पर बाबा पूणार्नंद गिरी महाराज के मंदिर में प्राचीन शिवालय पर गंगाजल चढ़ाएंगे। नरेंद्र इससे पहले 14000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर चुके हैं।

नगर परिषद, जिले के उच्चाधिकारियों व सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

लोगों ने पेयजल-बरसाती पानी की निकासी को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी ने शहर में पहली 15 एमएम बारिश से बावड़ी गेट, हनुमान गेट, हालुवास गेट, देवसर चुंगी, दिनोद गेट व शिवनगर कॉलोनी व अन्य जगहों में अत्याधिक पानी भरने, घरों तथा दुकानों में घुसने के लिए नगर परिषद, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा जिला अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। माकपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनकी ढ़ीली व सुस्त कार्यप्रणाली के खिलाफ शहर में विरोध प्रदर्शन किया है। माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि नगर परिषद, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व उच्च जिला प्रशासन को मालूम था कि बरसात के मौसम में निकासी नाले गंदगी से बंद हो जाते हैं, उनकी सफाई की व्यवस्था तथा जल निकासी का प्रबन्ध बारिश आने से दो महीने पहले ही हो जाना चाहिए, लेकिन बजट होते हुए भी सम्बन्धित अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते और संकट घटित होने पर वे हाथ पैर मारते दिखाई देते हैं। वहीं क्षेत्र के विधायक व सांसद भी इस ओर संवेदनशील नहीं हैं। एक तरफ शहर व गांव में पीने के शुद्ध पानी का लगातार अभाव बना रहता है। विशेषकर गर्मियों में हाहाकार मचा हुआ था, तब भी ये संबंधित विभाग हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे तथा लोगों ने रास्ते एवं सड़क जाम करके उन्हें जगाया और अब थोड़ी बारिश होने पर भी पानी की उचित निकासी नहीं हो रही है।

भिवानी। शहर में रोष प्रदर्शन करते माकपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता तथा एसडीएम को मांगपत्र सौंपते कम्प्यूटर ऑपरेटर। फोटो : हरिभूमि

यातायात बाधित होने से जमा गंदा पानी लोगों के घरों व दुकानों में घुस रहा

माकपा नेताओं ने कहा कि यातायात बाधित होने से जमा हुआ गंदा पानी लोगों के घरों व दुकानों में घुस जाता है। गरीब व व्यापारियों की रोजी मारी जाती है। उन्होंने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों व राज्य सरकार को आगाह किया कि बरसाती पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। शहर में बिजली पानी की उचित व्यवस्था नहीं की तो माकपा पीड़ित जनता को साथ लेकर शहर में जनआन्दोलन करेगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से शहर व गांवों में बढ़ती चोरियों पर अंकुश लगाने तथा चोरी हुआ सामान बरामद करवाने की मांग की।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में पार्टी जिला सचिव सदस्य सज्जन कुमार सिंगला, रामफल देशवाल, राममेहर सिंह, मास्टर शेरसिंह, सुखदेव पालुवास, कामरेड अनिल, मास्टर जगरोशन, रोहताश गोठवाल, जिला कमेटी सदस्य संतोष देशवाल, करतार ग्वेवाल, रणधीर कुंगड़, सदीक डाडम, सुमेर बाढड़ा, मास्टर वजीरसिंह, रतन जिंदल, बिमला घनघस, अरविंद भारद्वाज, वेदप्रकाश खेड़ी, सुभाष कोशिक, राजकुमार धिकाड़ा आदि मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

तोशाम। हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ के कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को एसडीएम मनोज दलाल के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ जिला प्रधान अनिल कुमार व ब्लॉक प्रधान तोशाम धीरज कुमार ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर ने डीआईटीएस के अन्तर्गत कार्यरत कर्मचारियों की मांगों का समाधान जल्द करने की मांग की। कर्मचारियों ने सरकार को चेताया कि अगर उनकी मांग नहीं मांगी तो 15 जुलाई से प्रदेश व्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि संघ के प्रदेश व जिलों के तमाम पदाधिकारियों ने 23 जून को कुरुक्षेत्र में ज्ञापन दिया था, लेकिन आज तक न मिलने व न ही कोई परिपत्र जारी किया गया। संघ के प्रतिनिधि मंडल पवन कुमार क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर क्षेत्र भारतीय मजदूर संघ के मार्गदर्शन में 22 अप्रैल 2023 को डीआईटीएस की मांगों को लेकर मिला था, जिस पर डीआईटीएस की मांगों को सुनते हुए बाईलाज लागू करने का आश्वासन दिला था। 2768 कर्मचारियों को बाईलाज का लाभ देने के लिए मुख्य प्रधान सचिव द्वारा स्वीकृति प्रदान की थी, लेकिन आज तक इलैक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रोद्यिगिकी विभाग चण्डीगढ़ द्वारा कोई परिपत्र जारी नहीं किया गया है। ज्ञापन सौंपते हुए संघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार रेगुलाइजेशन पॉलिसी बनाकर रेगुलर करने की मांग की और जब तक सरकार पालिसी नहीं बनाती समान काम समान वेतन देते हुए 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा प्रदान करने की मांग उठाई।

बवानीखेड़ा। सूई स्कूल में पोधा रोपित करती जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी।

स्कूल के साथ साथ गांव भी होगा हरा भरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

- जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने किया पौधा रोपण
- कक्षाओं में बच्चों से किए सवाल,उत्तर से खुश हुई मैडम

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष नागर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुई में पहुँची थी। इस दौरान उन्होंने स्कूल का रजिस्टर देखा और फिर बाद में स्कूल में पौधा रोपण कर बच्चों से आह्वान किया कि वे ज़्यादा से ज़्यादा पौधे लगाये ताकि वातावरण हरा भरा किया जा सके।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष नागर लगभग पौने दो बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुई पहुँची। वहाँ उन्होंने स्कूल का रजिस्टर चेक किया। प्राचार्य से एक कर्मचारी के छुट्टी पर होने पर उनका प्रार्थना पत्र माँगा। प्राचार्य द्वारा प्रार्थना पत्र दिखाया गया । जिस पर अधिकारी संतुष्ट दिखी। बाद में उन्होंने प्राथमिक विधालय का भी निरीक्षण किया। वहाँ का रजिस्टर भी देखा। उन्होंने बच्चों की संख्या कम होने पर ज़्यादा से ज़्यादा बच्चों के दाखिले सरकारी स्कूल में करवाने के लिए बोला। बाद में उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय की कक्षा आठवीं के बच्चों से मुलाक़ात की और उनसे कई सवाल भी पूछे।

इको क्लब के प्रभारी व बच्चों को ज़्यादा ज़्यादा पौधे लगाने को कहा। इस पर बच्चों ने उन्हें कहा कि वे ना केवल स्कूल में बल्कि गाँव में भी ज़्यादा से ज़्यादा पौधे लगायेंगे। इस मौके पर उनके साथ प्रवक्ता ललित कुमार,स्कूल प्राचार्य राजेश कुमार, सुंदर सिंह, सूरज प्रकाश जोशी, मोनिका अत्रि, डॉ. सुधा बुंदेला, नीलम लीखा, नरेश कुमार, सीमा, प्रवीण कुमार, सुमन जांगड़ा, उमेद सिंह, कृष्ण कुमार , बलवान सिंह, माया, एकल ग्रामों उत्थान राहुल शर्मा व कुसुम सहित अनेक लोग सदस्य उपस्थित थे।

पीडब्ल्यूडी कर्मचारी 9 को रोष प्रदर्शन कर सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन सम्बन्धित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय मीटिंग जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में चल रहे धरने में जिला प्रधान सुरेन्द्र कुमार टोनी की अध्यक्षता में हुई। धरने के 10वें दिन की अध्यक्षता ब्रांच उपप्रधान राधेश्याम शर्मा ने की। राज्य संगठन सचिव हरकेश शर्मा व राज्य प्रेस सचिव कर्णसिंह लाम्बा ने सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रदेश में 8 से 26 जुलाई तक जिला स्तरीय रोष प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री सैनी को मांग पत्र भिजवाया जायेगा। इसी कड़ी में नौ जुलाई को भिवानी जिले के संगठन कार्यकर्ता रोष प्रदर्शन करेंगे। इस दिन भिवानी जिले से लगभग हजारों कर्मचारी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में चले रहे धरनास्थल पर एकत्रित होकर शहर में रोष प्रदर्शन कर उपायुक्त को अपनी मांगों का मांग-पत्र सौपेंगे। प्रधान सुरेंद्र ने धरने पर उपस्थित कर्मचारियों को अवगत करवाया कि जिले की सभी 11 ब्रांचों से हजारों कर्मचारी संगठित होकर उपायुक्त को कर्मचारियों की मांगों का ज्ञापन सौपेंगे। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष रिंकू यादव, जिला उपप्रधान सुरेश कौशिक, चांदीराम कादयान, जयकिशन शर्मा, बिजेन्द्र परमार, सुखबीर गुर्जर, रविन्द्र शर्मा, राकेश, रामौतार, संदीप, देवेन्द्र, आशुतोष, आनन्द श्योराण, विजय कुमार आदि उपस्थित थे।

- प्रदेश में 8 से 26 जुलाई तक जिला स्तरीय पर होगा प्रदर्शन

हैप्पी कार्ड योजना के लाभार्थी कार्ड बस स्टैंड से करें प्राप्त

भिवानी। सरकार द्वारा हैप्पी कार्ड योजना चलाई जा रही है। इस योजना के लिए जिसने पहले आवेदन किया हुआ था वे अपने हैप्पी कार्ड संबंधित भिवानी व तोशाम व लोहारू बस स्टैंड से प्राप्त कर सकते हैं। हरियाणा राज्य परिवहन जिला भिवानी के महाप्रबंधक ने बताया कि जिन व्यक्तियों के परिवार की सालाना आय परिवार पहचान पत्र में एक लाख रुपए से कम है। वे अपने नजदीकी सीएससी सेंटर से हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन व्यक्तियों ने पहले ही हैप्पी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किए हुए हैं। उनके हैप्पी कार्ड बस स्टैण्ड भिवानीध्तोशामध्लोहारू पर उपलब्ध हैं। हैप्पी योजना के आवेदक अपना आवेदन करते समय जो मोबाइल नंबर आवेदन में दिया थाए उसी मोबाइल पर ओटीपी आने के उपरांत उसे दिखाकर हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। हैप्पी कार्ड प्राप्त करते समय प्रति व्यक्ति को 50 रुपए प्रति हैप्पी कार्ड का शुल्क देना होगा। यदि किसी भी आवेदक का हैप्पी कार्ड के लिए आया हुआ संदेश उसके मोबाइल से डिलीट हो गया है तो वह व्यक्ति भी बस स्टैण्ड, भिवानीवतोशाम व लोहारू पर अपने आवेदन की पंजीकरण संख्या दिखाकर हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकता है। आवेदन करते समय आवेदक ने जिस भी बस स्टैण्ड का नाम आवेदन में दर्ज करवाया है, वह वहां पहुंचकर अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

- परिवार की सालाना आय परिवार पहचान पत्र में एक लाख रुपए से कम हो